भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 5733

04 अप्रैल, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

5733. श्री बाल्या मामा सुरेश गोपीनाथ म्हात्रे:

श्री बलवंत बसवंत वानखडे:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार योग को वैश्विक स्वास्थ्य प्रणाली का हिस्सा बनाया जाना सुनिश्चित करेगी और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के प्रचार-प्रसार हेतु अब तक कितनी धनराशि व्यय की गई है तथा इससे क्या लाभ प्राप्त हुए हैं;

(ग) क्या सरकार का विद्यालयों और महाविद्यालयों में योग को अनिवार्य विषय के रूप में शामिल करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार का भारतीय योग शिक्षकों को अंतर्राष्ट्रीय प्रमाणन प्रदान करने का विचार है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क): आयुष मंत्रालय आयुष में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय क्षेत्रीय योजना का कार्यान्वयन कर रहा है। इस योजना के तहत मंत्रालय आयुष उत्पादों और सेवाओं के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए भारतीय आयुष औषधि निर्माताओं/आयुष सेवा प्रदाताओं को सहायता प्रदान करता है; आयुष चिकित्सा पद्धतियों के अंतर्राष्ट्रीय संवर्धन, विकास और मान्यता को सुगम बनाता है; हितधारकों के बीच आपसी संवाद को बढ़ावा देता है तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आयुष बाजार का संवर्धन करता है; विदेशों में आयुष अकादमिक पीठों की स्थापना के माध्यम से शिक्षाविदों और अनुसंधान को बढ़ावा देता है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर योग सहित आयुष चिकित्सा पद्धतियों के संबंध में जागरूकता तथा रुचि संवर्धन और सुदृढ़ीकरण हेतु प्रशिक्षण कार्यशाला/संगोष्ठियों का आयोजन करता है। आयुष मंत्रालय ने पारंपरिक भारतीय चिकित्सा पद्धतियों का वैश्विक स्तर पर संवर्धन करने और इसके सुदृढ़ीकरण के लिए 24 देश-दर-देश स्तर के समझौता ज्ञापनों (एमओयू) और 51 संस्थान-दर-संस्थान स्तर के समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं।

(ख): माननीय प्रधानमंत्री जी की पहल पर संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2014 में, 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में घोषित करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के प्रचार-प्रसार के लिए अब तक लगभग 161 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। योग का संदेश संपूर्ण विश्व में प्रसारित करते हुए, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस प्रति वर्ष सफलतापूर्वक मनाया जाता है। यह भी

देखा गया है कि प्रति वर्ष विविध पृष्ठभूमियों से अधिक से अधिक लोग अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह में शामिल हो रहे हैं।

(ग): राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (एनसीएफ) ने योग को स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा के अभिन्न अंग के रूप में स्वीकारा है। स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा कक्षा 1 से कक्षा 10 तक अनिवार्य विषय है और कक्षा 11 से 12 तक वैकल्पिक विषय है। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने पहले से ही कक्षा 1 से कक्षा 10 तक स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा पर एकीकृत पाठ्यक्रम विकसित कर लिया है। यह पाठ्यक्रम एनसीईआरटी की वेबसाइट **www.ncert.nic.in** पर उपलब्ध है। इसके अलावा, एनसीईआरटी ने 8-18 वर्ष की आयु वर्ग के लिए स्कूलों में योग की शुरूआत के लिए दो मॉड्यूल तैयार किए हैं और पुस्तकें प्रकाशित की।

(घ) और (ङ): आयुष मंत्रालय के अंतर्गत योग प्रमाणन बोर्ड (वाईसीबी), योग पेशेवरों को प्रमाणन और संस्थानों को मान्यता प्रदान करता है, योग प्रशिक्षकों के विभिन्न स्तरों के लिए पाठ्यक्रम और ऐसी कोई भी गतिविधि निर्धारित करता है जिसे योग के प्रचार के लिए आवश्यक माना जा सकता है। वाईसीबी का उद्देश्य योग के अभ्यास में गुणवत्ता लाना तथा मानक तैयार करना और प्राचीन योग को आजीविका कौशल के रूप में बढ़ावा देना है।

*****